सफाई व्यवस्था में अनियमितता देखकर भड़के मंत्री मदन दिलावर

जिला प्रमुख और प्रधान को संस्पेंड करने तक की धमकी दे डाली, बीडीओ को भी फटकार लगाई

चूरू, (निसं) शिक्षा, ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को जिला मुख्यालय की ग्राम पंचायत श्योपुरा के गांव ढाणी लालसिंहपुरा व ढाणी डीएस पुरा का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जानकारी के अनुसार मंत्री दिलावर मंगलवार सुबह चूरू में एक शोकसभा में पहुंचे थे। इसके बाद वे सुबह करीब 8 बजकर 15 मिनट पर गांव ढाणी लालसिंह पुरा व ढाणी डीएस पुरा पहुंच गये। उन्होंने गांव की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। ढाणी डीएस पुरा में निरीक्षण के दौरान लगे गंदगी के ढेर को देखकर वे भड़क उठे और अधिकारियों को फटकार लगाई। इस दौरान सफाई व्यवस्था में अनियमितता को देखकर उन्होंने जिला प्रमुख वंदना आर्य और प्रधान दीपचंद राहड़ को संस्पेंड करने तक की धमकी दे डाली और बीडीओ महेन्द्र भार्गव को भी जमकर फटकार लगाई। इस दौरान मंत्री ने ग्रामीणों से भी सफाई व्यवस्था का फीडबैक लिया। ग्रामीणों ने सफाई व्यवस्था को लेकर मंत्री को शिकायत की। ग्रामीणों ने बताया कि तीन महीनों से गांव में सफाई नहीं हुई है। ग्रामीणों की शिकायत पर मंत्री दिलावर ने बीडीओ भार्गव को सफाई के लिए पाबंद किया और सरपंच और ठेकेदार पर कार्यवाही करने की बात कही और जमा गंदा पानी और कीचड़ के लिये ग्रामीणों ने बताया कि मंत्रीजी ये गांव की आम समस्या है। यहां हर समय कीचड़ फैला रहता है। सरपंच को शिकायत करने के बावजूद भी समाधान नहीं हो रहा है।

गौरतलब है कि जहां पानी इकट्ठा होता है, उसके पास ही एक रिचार्ज वेल भी बनाया हुआ है, फिर भी यहां पानी भरता है। इस पर मंत्री ने कहा कि लगता नहीं कि यहां सफाई होती है, उन्होंने कहा कि ठेकेदार फ्री के पैसे ले रहे हैं। इस अवसर पर जिला परिषद सीईओ श्वेता कोचर, उप जिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, सरपंच फोर्म के अध्यक्ष बलवीर ढाका, भाजपा नेता भंवर गुर्जर, हरिराम चौपड़ा, ओम सारस्वत, रवि आर्य, दौलत तंवर, नरेंद्र काछवाल, ब्रह्मानंद राजोतिया, भरत चारण आदि उपस्थित थे।

इस दौरान मंत्री ने सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिये कि 30 सितंबर तक सफाई व्यवस्था में सुधार करवाएं। 20 दिन बाद मैं दोबारा सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करूंगा। अगर सफाई नहीं मिली तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

मंत्री मदन दिलावर ने ढाणी लालसिंहपुरा व ढाणी डीएसपुरा में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

- मंत्री ने सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिये कि 30 सितंबर तक सफाई व्यवस्था में सुधार करवाएं, मैं दोबारा सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करूंगा

पब्लिक प्लेस पर जुआ खिलवाने के मामले में एक गिरफ्तार

सीकर, (निसं)। पब्लिक प्लेस पर जुआ खिलवाने के मामले में आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी जोर-जोर से चिल्लाकर लोगों को बुलाता और 10 रुपए के बदले 90 रुपए कमाने का झांसा देता था। आरोपी को एलआईसी ऑफिस के पास से पकड़ा गया है। मामला सीकर की कोतवाली थाने का है।

सीकर कोतवाली पुलिस थाना के हेड कॉन्स्टेबल कल्याण सिंह ने बताया कि एलआईसी ऑफिस के सामने एक खंडहर हवेली के बाहर एक लड़के की ओर से जुआ खिलवाने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तब लड़का आवाज लग रहा था कि 10 रुपए लगाओ और 90 रुपए कमाओ। पुलिस को देखते ही लड़का भागने लगा। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम वीरेंद्र पुत्र कल्याण निवासी मोहल्ला हरिजन होना बताया। आरोपी लड़के ने बताया कि वह 1 से 10 अंकों पर जुआ खिलवाता है। पैसे लगाने वाले ने जो नंबर बोला यदि उस नंबर का कार्ड खुल जाता है तो पैसे लगाने वाले को नौ गुना पैसे मिलते हैं। ताश के पत्तों के जरिए यह जुआ चलता है। पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 1100 रुपए और जुए का हिसाब बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक भले ही यह आरोपी लोगों को 10 रुपए में जुआ खिलवाता हो लेकिन इस तरह रोजाना यह सैकड़ों लोगों से रुपए ऐंठ लेता है। कार्रवाई में कॉन्स्टेबल लक्ष्मणराम और शुभकरण भी शामिल रहे।

1965 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए 17 रेल कर्मियों को श्रद्धांजलि दी

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे जोधपुर मंडल के गडरा रोड रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को 1965 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए 17 रेल कर्मचारियों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी विशेष निरीक्षण ट्रेन से गडरा रोड पहुंचे और शहीद स्मारकों पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। डीआरएम त्रिपाठी ने कहा कि 1965 के युद्ध में रेल कर्मचारियों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किए थे। पूरा रेल परिवार उनके बलिदान को नमन करता है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेड़ा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिषेक गांधी, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक लोकेश कुमार, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक विक्रम सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर जोगेंद्र मीणा, वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक अरविंद शर्मा सहित मंडल के कई अधिकारी, नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्प्लाइज यूनियन के मंत्री मनोज कुमार परिहार, यूनियन पदाधिकारी, बीएसएफ के जवान एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि के बाद आयोजित सभा की अध्यक्षता डीआरएम ने की। सभा में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने भी शहीदों को नमन किया। यूनियन मंत्री मनोज कुमार परिहार ने अपने संबोधन से पूर्व शहीदों की स्मृति में 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन भी मंडल रेल प्रबंधक को सौंपा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के पश्चात डीआरएम ने गडरा रोड से मुनाबाव खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया तथा संरक्षा एवं यात्री सुविधाओं से जुड़े मानकों की समीक्षा की। बाड़मेर स्टेशन पर भी डीआरएम ने शहीद नामावली पर पुष्प अर्पित कर शहीद रेलकर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई।

एआई से विवाहिता का अश्लील वीडियो बनाया, सात गिरफ्तार

महिला के साथ साल 2021 में कॉलेज में पढ़ता था, जबरन दोस्ती का दबाव बना रहा था आरोपी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से एक विवाहिता का अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पीड़िता ने सवीना थाना क्षेत्र में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी महिला के साथ साल 2021 में कॉलेज में पढ़ता था। उन दिनों से ही दोस्ती का दबाव बना रहा था। थानाधिकारी अजय सिंह राव ने बताया कि महिला एक सप्ताह से पीहर में रह रही थी। आरोपी ने 4 सितंबर को एआई से आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसके पति को भेज दिया। पति ने जब यह वीडियो देखा तो वे हैरान रह गए। उन्होंने इसकी जानकारी पत्नी को दी।

महिला ने रिपोर्ट में बताया कि आरोपी 2021 में कॉलेज में उसके साथ ही पढ़ता था। तब से ही दोस्ती करने का दबाव बनाता रहता था। करीब 10 महीने पहले ही विवाहिता शादी हुई थी। उसके बाद भी उसने विवाहिता का पीछा नहीं छोड़ा। आरोपी फिलहाल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में मुख्य आरोपी युवराज सिंह के साथ ही वीडियो वायरल करने में सहयोग देने पर हेमलता डांगी, हरीश पटेल, हितेश पटेल, दिलीप पटेल, जगदीश पटेल और सिद्धार्थ पटेल को गिरफ्तार किया है जिनसे पूछताछ जारी है। थाना अधिकारी ने बताया कि दोस्ती नहीं करने पर आरोपी फेक अश्लील वीडियो बनाकर शेयर करने की धमकी दे रहा था। इस वजह से विवाहिता ने पुराना मोबाइल नंबर भी बंद कर दिया था। ऐसे में आरोपी ने परिचितों को यह वीडियो भेज दिया। आरोपी ने फेक वीडियो के जरिए बदनाम करने की कोशिश की है।

दोस्त की हत्या के आरोपी की पैदल परेड़ कराई

भीलवाड़ा, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के ओम नगर में गत दिनों फाइनेंसर कमलेश सुथार की गला रेत कर हत्या के मामले में एमजी हॉस्पिटल में भर्ती आरोपी दोस्त रणवीर उर्फ बबलु सिसोदिया को गिरफ्तारी के बाद कलेक्ट्री से पैदल परेड कराते हुए अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि आजाद नगर निवासी और फाइनेंस कंपनी में कार्यरत कमलेश सुथार की शनिवार रात ओम नगर में गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। हत्या के इस मामले में कमलेश के ही दोस्त ओम नगर निवासी रणवीर उर्फ बबलू सिसोदिया को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। रणवीर सिंह को मंगलवार को पुलिस ने कलेक्ट्री से परेड़ निकालते हुए अदालत में पेश किया, जहां से कोर्ट ने आरोपित को वेपन की रिकवरी, मौका तस्दीक, अनुसंधान आदि के लिए दो दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया।

पति-पत्नी की मौत का कारण बनने के आरोपी की जमानत याचिका खारिज़

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पति-पत्नी की सुसाइड का कारण बनने के आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि मेहराराम पर आरोप बेहद गंभीर प्रकृति का है, इसलिए मामले के गुणावगुण पर टिप्पणी किए बगैर जमानत देना न्यायोचित नहीं है।

मेहराराम (20), निवासी दुधवा, थाना पचपदरा, जिला बालोतरा वर्तमान में जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद है। उसके खिलाफ जोधपुर ग्रामीण के शेरगढ़ थाने में सुसाइड के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज है। उसकी पहली जमानत याचिका भी गत वर्ष खारिज की गई थी। शेरगढ़ पुलिस की जांच और जुटाए गए साक्ष्यों के अनुसार कई महत्वपूर्ण गवाहों के बयानों में स्पष्ट हुआ कि आरोपी मेहराम मृतका धाऊ देवी को लगातार तंग और परेशान कर रहा था। वह लगातार फोन कर व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर अपने साथ शादी करने और अवैध संबंध बनाने के लिए तंग कर रहा था। गवाहों के अनुसार, समझाने के बावजूद भी मेहराराम नहीं माना और कुछ महीने पूर्व उसने धाऊ देवी के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए थे। गवाहों की साक्ष्य के मुताबिक धाऊ देवी ने मेहराराम की हरकतों से परेशान होकर 2 फरवरी 2024 की शाम को घर के झोंपड़े में फंदा लगाकर सुसाइड की कोशिश की। इससे पहले उसने मोबाइल सामने रखकर आरोपी को वीडियो कॉल किया था। इस दौरान महिला ने कानों में हैड फोन लगा रखे थे। परिवार के अन्य सदस्यों ने उसे फंदे पर लटकते देखा तो उतारकर शेरगढ़ स्थित हॉस्पिटल में भर्ती कराया। बाद में उसे जोधपुर रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान 7 फरवरी की रात करीब 11 बजे मौत हो गई। जब महिला के पति सुरेश को पत्नी की मौत और इसकी वजह के बारे में पता चला, तो उसने भी बदनामी दूसरे दिन 8 फरवरी 2024 को ही घर से कुछ दूर जाकर एक पेड़ पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी।

- हाईकोर्ट ने कहा कि मेहराराम पर आरोप बेहद गंभीर प्रकृति का है, इसलिए मामले के गुणावगुण पर टिप्पणी किए बगैर जमानत देना न्यायोचित नहीं है

मामले में पुलिस ने मृतक सुरेश के छोटे भाई गुलाबराम, मृतका के पिता अंबाराम, उनके भाई रेवंतराम, भाभी गीतादेवी, बहन वीरो देवी, मृतक सुरेश की भाभी पेपोदेवी, मां सुजी देवी, पिता बाबूराम, पड़ोसी सुमेरसिंह की गवाही भी दर्ज की थी, जिसमें आरोपी मेहराराम की करतूतों का स्पष्ट उल्लेख था। सुनवाई के दौरान मेहराराम के वकील ने दलील दी कि आरोपी को इस मामले में झूठा फंसाया गया है। लोक अभियोजक उर्जाराम कलबी ने जमानत याचिका का विरोध किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपी मेहराराम की ओर से पेश जमानत अर्जी को खारिज कर दिया।

सरकारी नौकरी का प्रलोभन देकर ठगी की

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के कुछ युवकों से सरकारी नौकरी के नाम पर लाखों का फ्रॉड हो गया। पीड़ितों से यहां पर आरोपियों ने दस- दस हजार रूपए लिए, फिर जयपुर बुलाकर लाखों की रकम ऐंठ ली। मामला गत साल का है। पीड़ितों की तरफ से अब संयुक्त रिपोर्ट उदयमंदिर थाने में दी गई है। पीड़ित संविदा पर नौकरी करते हैं। फिलहाल कोर्ट से मिले इस्तगासे पर मामला दर्ज कर अब पुलिस ने जांच आरंभ की है।

थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि एक संयुक्त रिपोर्ट धोखाधड़ी जोनपुर के बाबूराम पुत्र बींजाराम, पाबूराम, मालमसिंह, हनुमानराम, बीरमसिंह आदि की तरफ से दी गई है। उसने बताया कि गत साल 12 अक्टूबर को पीलवा के बचनाराम विश्नोई, उसका पुत्र पिंटू, चित्तौड़गढ़ जिले के चंदेलिया निवासी भगवती आचार्य ने संपर्क किया था। यह लोग जयपुर से यहां आए थे। इन लोगों को पीड़ितों ने बताया कि वे संविदा पर नौकरी करते है। तब उन लोगों ने उन्हें सरकारी नौकरी दिलवाने की बात की। यहां पावटा उद्यान में उनसे दस- दस हजार रूपए बतौर पेशगी ली गई। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें जयपुर बुलाया जहां पर लाखों रूपए नौकरी के नाम पर दिए गए। मगर काफी समय गुजरने के बावजूद उन्हें नौकरी नहीं दिलाई तथा वे टालमटोल जवाब देने लगे। आखिरकार उन्होंने संपर्क करना छोड़ दिया। थानाधिकारी ने बताया कि धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है। कोर्ट से मिले इस्तगासे पर प्रकरण दर्ज हुआ है।

- पीड़ित संविदा पर नौकरी करते हैं, मामला दर्ज

नाले में बही महिला का शव मिला

टोंक, (निसं)। पीपलू कस्बे से लापता हुई महिला का शव क्षेत्र के भोपता नाले में रपट के पास मिला है, जिसे एसडीआएफ टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद मंगलवार को ढूंढ निकाला। वहीं पीपलू थाना पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पीपलू निवासी मोबिना बानो पत्नी एहसान नद्दाफी जो सोमवार सुबह घर से बिना बताए निकली थी, जब वह कुछ समय पश्चात घर नहीं आयी तो परिजनों ने आसपास तलाश किया। बाद तलाश के शाम को भोपता नाला में रपट के पास महिला की चप्पलें मिली, जहां नाले में बहने की आशंका के चलते परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पीपलू थाना पुलिस ने एसडीआएफ टीम को सूचना दी, उसके बाद मंगलवार को एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस टीम ने मौके पर पहुंचकर भोपता नाला में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दोपहर तक महिला का शव नाले से निकाला।

छात्राओं से मारपीट, लूटपाट करने के दो आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना क्षेत्र में छात्राओं और शिक्षिका के साथ हुई मारपीट और लूटपाट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डूंगरपुर के दोवड़ा थाना क्षेत्र में खेल प्रतियोगिता से लौट रही छात्राओं और शिक्षिका के साथ हुई मारपीट और लूटपाट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं,एक नाबालिग को डिटेन किया है।

आसपुर पुलिस उपाधीक्षक के अनुसार गडा मोरिया राजकीय स्कूल की प्रयोगशाला सहायक सुमित्रा रोत ने 6 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वह 16 छात्राओं के साथ धावड़ी में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता से टेम्पो में लौट रही थी। कराहता स्कूल की ढलान पर तीन युवकों ने बाइक से आकर उनका टेम्पो रुकवाया और आरोपियों ने पहले छात्राओं का वीडियो बनाना शुरू किया। विरोध करने पर उन्होंने छात्राओं के साथ मारपीट की और पथराव किया। आरोपियों ने अश्लील हरकतें भी की। इसके बाद वे शिक्षिका का पर्स, मोबाइल और टेम्पो ड्राइवर का मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने जांच के बाद वस्सी गांव के रमेश कटारा और चंदूलाल कटारा को गिरफ्तार किया है।

आकोला पुलिया का कुछ हिस्सा टूटकर बहा : भीलवाड़ा जिले के सवाईपुर क्षेत्र के आकोला गांव के पास से गुजर रही मेवाड़ की गंगा कहे जाने वाली बनास नदी नौ साल बाद कल आकोला पुलिया पर आई थी, पानी के तेज बहाव के चलते पुलिया का कुछ हिस्सा टूटकर पानी के साथ बह गया। खबर सोशल मीडिया पर चलने के बाद प्रशासन हरकत में आया और सार्वजनिक सड़क निर्माण विभाग कोटड़ी के सहायक अभियंता ऋषिकांत बैरवा ने मौके पर पहुंचकर पुलिया का निरीक्षण किया, जहां पुलिया के नीचे 300 फीट का कटाव पानी के तेज बहाव में हो गया।

इनामी बदमाश गिरफ्तार

नदबई/भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के चर्चित चुनावी रंजिश के चलते मारपीट के आरोपी पर जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से चवन्नी का ईनाम घोषित करने के मामले में पुलिस ने चवन्नी ईनामी बदमाश को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार नदबई लखनपुर थाना क्षेत्र के गांव मई निवासी खूबीराम सिंह पुत्र सूरजमल को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया। गौरतलब है कि, सरपंच प्रतिनिधी खूबीराम व पूर्व पंचायत समिति सदस्य बहादुर जाटव के बीच कई सालों से चुनावी रंजिश चल रही। इसी रंजिश के चलते 2 मई 2024 में गिरफ्तार आरोपी खूबीराम ने अपने अन्य परिजनों के साथ दूसरे पक्ष के लोगों से जमकर मारपीट की। बाद में श्याम सिंह जाटव की ओर से मामला दर्ज होने पर पुलिस ने जांच करते हुए आकाश सिंह, बीरवल सिंह, जीतेन्द्र सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह व सोनवीर सिंह को गिरफ्तार किया लेकिन, सरपंच प्रतिनिधी का पुलिस को सुराग नहीं लगा। नवम्बर 2024 में तत्कालीन जिला एसपी ने आरोपी पर चबन्नी का ईनाम घोषित किया था। बाद में पुलिस सीओ अमर सिंह राठौड़ ने कार्रवाई करते हुए चबन्नी ईनामी बदमाश खूबीराम को भरतपुर बस स्टेण्ड से गिरफ्तार किया।

दो दुकानों में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जला

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। कस्बा भुसावर में नगर पालिका परिसर के पास मुख्य बाजार में स्थित कपड़े एवं इलेक्ट्रिकल की दो दुकानों में अज्ञात कारणों के चलते अचानक देर रात्रि को आग लग गई। सूचना मिलने पर भुसावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और नगर पालिका दमकल एवं पीड़ित दुकानदारों को सूचना दी, जहां घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया है।

दमकलकर्मी नवल हरसाना ने बताया कि कस्बा भुसावर के मुख्य बाजार में नगर पालिका परिसर के पास स्थित मनोज अग्रवाल की कपड़े की दुकान एवं सतीश अग्रवाल की इलेक्ट्रिकल की दुकान में अज्ञात कारणों के चलते आग लगने की सूचना भुसावर थाना पुलिस से प्राप्त हुई। जिस पर तुरंत दमकलकर्मी योगेंद्र कुमार, लोकेश सैनी एवं ब्रह्मानंद शर्मा दमकल को लेकर मौके पर पहुंचे और लोगों की मदद से घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का काम किया। वहीं दूसरी ओर लोगों ने बताया कि सोमवार की देर रात्रि करीब 1.30 बजे पड़ोसियों ने दुकान में से धुंआ निकलता देखा तो पुलिस को सूचना दी। जैसे ही दुकानदार ने दुकान जाकर खोली तो एक साथ आग की लपटें निकलता देख लोगों में हड़कंप मच गया। वहीं देखते ही देखते दुकान की पट्टियां भी टूटकर नीचे गिर गई।

फरार वारंटी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की मांडल थाना पुलिस ने चार साल से फरार चल रहे वारंटी को डीएसटी टीम ने आखिरकार पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार मांडल थाना क्षेत्र के प्रकरण में न्यायालय से स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था। आरोपी भंवरलाल पुत्र उदयलाल उर्फ उड़ा जाट निवासी बड़ी का खेड़ा थाना मांडल, जिला भीलवाड़ा, लंबे समय से फरार चल रहा था। डीएसटी टीम ने आरोपी को लाडपुरा क्षेत्र से डिटेन कर गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि फरार वारंटी रेलमगरा क्षेत्र में ट्रक चालक बनकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर रेलमगरा, चितौड़गढ़, पारसोली, कान्हूनंद मोड़ आदि जगहों पर निगरानी की गई और आखिरकार आरोपी को दबोच लिया गया। भंवरलाल के विरुद्ध थाना प्रतापनगर, जिला भीलवाड़ा में चोरी के प्रकरण में भी स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी है।

साधारण दुकान में संचालित हो रहा है बोरावड़ उपडाकघर, उपभोक्ता परेशान

बोरावड़, (निसं)। बोरावड़ उपडाकघर को पुराने भवन के जर्जर होने के बाद अक्टूबर 2024 में आनन-फानन में एक दुकान में स्थानांतरित कर दिया गया, लेकिन यहां न तो पर्याप्त जगह है और न ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्थिति यह है कि डाकघर के भीतर काउंटर बेहद संकरे स्थान पर संचालित हो रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का सामना करना पड़ रहा है। यहां न खिड़की है और न वेंटिलेशन की व्यवस्था, ऐसे में गर्मी और बिजली कटौती की स्थिति में वातावरण असहनीय हो जाता है। बारिश के दिनों में पानी सीधे अंदर घुसने का खतरा बना रहता है, जिससे अभिलेख और सिस्टम को नुकसान हो सकता है। वहीं धूल-आंधियों के चलते कंप्यूटर बार-बार खराब होने की स्थिति में पहुंच जाते हैं।

पीने के पानी और बैठने की व्यवस्था का भी कोई प्रबंध नहीं है, जिसके कारण बुजुर्गों और महिलाओं को घंटों खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। एसी की सुविधा न होने से गर्मी में सिस्टम ओवरहीट होकर बार-बार बंद हो जाते हैं और कर्मचारी व उपभोक्ता दोनों ही परेशानी झेलते हैं। ग्रामीणों के आठाह पर पूर्व विधायक रूपाराम मुरावतिया सहित नगरपालिका बोरावड़ के निवर्तमान उपाध्यक्ष शमीम खत्री, केमिस्ट एसोसिएशन के सचिव सुरेश कुमार सोनी, निवर्तमान पार्षद प्रकाश सोनगरा, एडवाकेट अनिल कुमार सोनी, कैलाश गेलड़ा व शहर के गणमान्य नागरिकों ने इस अव्यवस्थित व्यवस्था को गंभीर लापरवाही बताते हुए पोस्ट मास्टर जनरल, राजस्थान पश्चिमी क्षेत्र (जोधपुर) को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने कहा कि उपडाकघर जैसी जनता से सीधे जुड़ी सुविधा का इस तरह बिना योजना के एक साधारण दुकान में संचालन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है। नागरिकों ने मांग की है कि बोरावड़ जैसे महत्वपूर्ण उपडाकघर को नियमानुसार सुविधाओं वाले भवन में शीघ्र पुन: स्थानांतरित किया जाए। साथ ही जब तक यह संभव न हो, तब तक वर्तमान भवन में वेंटिलेशन, एसी, पानी और प्रतीक्षा क्षेत्र जैसी न्यूनतम सुविधाएं तत्काल सुनिश्चित की जाएं।

बोरावड़ उपडाकघर में मूलभूत सुविधाएं नहीं होने से उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं।

- बोरावड़ उपडाकघर का पुराना भवन जर्जर होने के बाद अक्टूबर 2024 में इसे एक दुकान में स्थानांतरित कर दिया था
- यहां न तो पर्याप्त जगह है और न ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं

स्ट्रीट वेंडर्स के मामले में अजमेर नगर निगम बैकफुट पर

अजमेर, (कासं)। सिविल न्यायालय उत्तर की न्यायाधीश कोमल भाटी ने नगर निगम द्वारा प्रस्तुत न्यायलय के क्षेत्राधिकार पर आपत्ति उठाने वाली चार प्रार्थना पत्रों को एक साथ खारिज करने के आदेश पारित किये।

पूर्व लोक अभियोजक विवेक पाराशर ने बताया कि अदालत ने स्ट्रीट वेंडर्स के पक्ष में 8 अक्टूबर तक स्थगन आदेश बढ़ाकर उन्हें राहत प्रदान की है, इसके साथ ही नगर निगम अजमेर द्वारा चार अलग-अलग प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निगम ने न्यायलय के सुनवाई के क्षेत्राधिकार को चुनौती दी थी और निगम को दावा प्रस्तुत करने के पूर्व नोटिस नहीं देने, स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट 2014 के तहत प्रकरण पोषणीय नहीं होने सहित कई विधिक आधार पर प्रकरण को खारिज करने की मांग को लेकर अदालत को चुनौती दी थी। न्यायलय द्वारा स्ट्रीट वेंडर्स के अधिवक्ता विवेक पाराशर, संजीव रोहेला, जितेश धनवानी के तर्कों से सहमत होते हुए एवं प्रस्तुत न्यायिक दृष्टांतों की रोशनी में अदालत में मामले को सिविल न्यायलय की क्षेत्राधिकारिता मानते हुए निगम के चारों प्रार्थना पत्र को खारिज करने के आदेश पारित किया।

गौरतलब है कि आनासागर चौपाटी रीजनल कॉलेज पर थड़ी, ठेला व रेहडी लगाकर अपना व्यापार व्यवसाय, स्ट्रीट फूड बेचकर आजीविका चलाने वाले वेंडर्स ने जून 2025 में उन्हें आनासागर चौपाटी से जबरन हटाकर मित्तल हॉस्पिटल के सामने शिफ्ट करने की धमकी नगर निगम द्वारा देने पर अदालत की शरण ली थी और अदालत ने उन्हें राहत प्रदान की। इस दौरान निगम द्वारा कई प्रार्थना पत्र याचिका को खारिज करने के लिए विभिन्न माध्यम से अदालत में पेश किए थे जो भी तत्कालीन समय में खारिज किए जा चुके है, ऐसे में नगर निगम स्ट्रीट वेंडर्स के मामले में बैकफुट पर आ चुका है और मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को तय की गई है।

- अदालत ने निगम की चार अर्जियों को एक साथ खारिज किया, आठ अक्टूबर तक राहत दी